

सुण सुण रे म्हारा श्याम जी घोडा,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

तर्ज उड़ उड़ रे म्हारा काला ।

घणा रे दिना सु म्हारो श्याम नहीं आयो,
श्याम बिना मैं तो घणो दुःख पायो,
थारे आया दुखड़ा मिट जासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

पल पल बीते म्हारे बरस बरोबर,
तू जाणे कद आवे म्हारे घर पर,
तरस रह्यो जियो भर जासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

डावा डोल हुई म्हारी नैया,
भूल गयो रे मने म्हारा खिवैया,
आजा रे आजा नाव तीर जासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

भूल गयो रे मैं तो सुध बुध सारी,
अब की पत तू ही राखेलो म्हारी,

दिन बीत्या रे बाता रह जासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

सोहनलाल थारा ही गुण गावे,
घर का धणी ने म्हारे घरा लियावे,
आनंद मंगल हो जासी,
जदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

सुण सुण रे म्हारा श्याम जी घोडा,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी,
कदे म्हारा श्याम जी ने घर ल्यासी ॥

Singer Pappu Ji Sharma Khatuwale

Source: <https://www.bharattemples.com/sun-sun-re-mhara-shyam-ji-ka-ghoda/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>